

आदरणीय राजा साहेब,
सादर चाण स्पर्श,

काफी लम्बे समय से भोपाल से बाहर रहा हूँ
आपका पता मिले बहुत समय हुआ उसका जवाब
विलम्ब से दे रहा हूँ सभा की जिम्मेदारी।

पिछले दिनों कलकत्ता में इंदौर में शो-
मा आता उतमें जस्त रहा दिसम्बर माह में बम्बई
में उसकी लैमारी चल रही है आपके wrap-up
का इंतजार भी चल रहा है। शिराज भी छुट्टी
पर गई हुई है। दिसम्बर ॥ तारीख से शुरुआत
है। आशा है कि कोल्कोटा अच्छा निकल सकेगा।

पिछले दिनों यहाँ काफी परिवर्तन हुए
संस्कृति विभाग से अशोकजी का स्थानांतरण
राजस्व में कर दिया गया है। तब से संस्कृति सचिव
भी गुप्त है। माहौल पूरे देश में अनिश्चय का
है। शेष अगले पत्र में लिखूंगा।

आपका
—।।।।।।।।।। 24.10.90
अविनाश